FRHS INDIA
Children by choice, not chance

उत्तर प्रदेश में
एफआरएचएस इंडिया

फाउंडेशन फॉर रिप्रोडक्टिव हेल्थ सर्विसेस इंडिया (एफआरएचएस इंडिया) ने उत्तर प्रदेश में एक जिले से शुरूआत कर वर्ष 2013 में, परिवार नियोजन संबंधी सेवाएं प्रदान करना शुरू किया था एवं तब से ही राज्य सरकार के साथ मिलकर सामाजिक एवं आर्थिक रूप से कमज़ोर लोगों के बीच किफायती और उच्च गुणवत्ता वाली यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाने का लगातार प्रयास कर रहा है। वर्तमान में, हम राज्य के 32 जिलों में स्थित 274 सरकारी केंद्रों पर 9.98 करोड़ (99.8 मिलियन) लोगों तक परिवार नियोजन सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

वर्ष 2020 में, देशबंदी के बाद 25 मार्च से ही कई निजी एवं एनजीओ हेल्थकेयर प्रदाताओं ने अप्रैल में अपनी सेवाएं बंद कर दी। केवल कुछ ही क्लिनिक्स ने अप्रैल में सुरक्षित एबोर्शन और पोस्ट–एबोर्शन परिवार नियोजन सेवाएं प्रदान की। साथ ही, यातायात पर लगे प्रतिबंधों की वजह से उत्तर प्रदेश में सुरक्षित एबोर्शन एवं परिवार नियोजन सेवाओं तक लोगों की पहुंच भी काफी कम हो गई।

हमारी 'पॉलिसी ब्रिफ ऑन इम्पैक्ट ऑफ कोविड–19 ऑन फैमिली प्लानिंग' के अनुसार, यह अनुमान लगाया गया था कि महामारी के दौरान 5,979,357 क्लाइंट को गर्भनिरोधक सेवाएं प्राप्त करने में कठिनाई होंगी जिसकी वजह से 527,227 अनचाहे गर्भ, 184,985 असुरक्षित एबोर्शन एवं 387 मातृ मृत्यु (मेटरनल डेथ) होने की संभावना है। हमारी वकालत से जुड़े प्रयासों के कारण सुरक्षित एबोर्शन को देशबंदी के समय 'आवश्यक सेवा' की सूची में शामिल किया गया जिससे राज्य में हमारे क्लाइंट को सेवाएं लेने में मदद मिली। काफी रूकावटों के बावजूद भी, वर्ष 2020 में हमने उत्तर प्रदेश में 9 क्लिनिकल आउटरीच टीमें एवं 1 क्लिनिक के माध्यम से, 29,270 क्लाइंट को सेवाएं प्रदान की।

उत्तर प्रदेश में यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य के सूचक

01 टोटल फर्टिलिटी रेट

उत्तर प्रदेश	राष्ट्रीय
2.7%	> 2.2%

02 गर्भनिरोधक के लिए कुल अनमेट नीड
(स्पेसिंग के लिए अनमेट नीडः 6.8%
एवं लिमिटिंग के लिए अनमेट नीडः 11.3%)

उत्तर प्रदेश	राष्ट्रीय
18.1%	> 12.9%

03 आधुनिक गर्भनिरोधक की प्रचलित दर

उत्तर प्रदेश	राष्ट्रीय
31.7%	< 47.8%

***Source:** International Institute for Population Sciences (IIPS) and ICF. 2017. National Family Health Survey (NFHS-4), 2015-16: India. Mumbai: IIPS.

हमारे सर्विस डिलीवरी चैनल्स

क्लिनिकल आउटरीच टीम (COT)

COT प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मचारियों की टीम है जो सरकारी केंद्रों पर परिवार नियोजन एवं प्रजनन स्वास्थ्य संबंधी जानकारी, सलाह और सेवाएं (स्पेसिंग, लांग–एक्टींग रीवर्सिबल मेथड एवं स्थायी मेथड) प्रदान करती है।

फैमिली हेल्थ सेंटर्स/क्लिनिक्स

फैमिली हेल्थ सेंटर्स/क्लिनिक्स वन स्टॉप सेंटर के रूप में बरैली में परिवार नियोजन और प्रजनन स्वास्थ्य सेवा संबंधी सभी सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराते हैं। साथ ही, सुरक्षित एबोर्शन की सेवाएं भी किफायती दरों पर उपलब्ध हैं।

हमारे क्लाइंट एवं उनके अनुभव

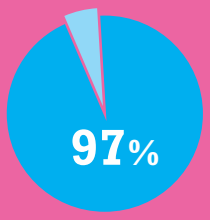

क्लाइंट अपने अनुभवों से **संतुष्ट** थे

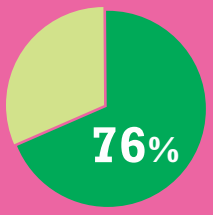

क्लाइंट जिन्हें विश्वास है की **एफआरएचएस इंडिया** ने उनकी उम्मीदों से बढ़कर कार्य किया

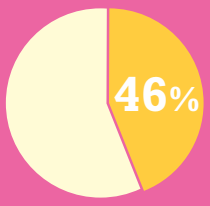

क्लाइंट जिन्होंने कभी **परिवार नियोजन** के तरीकें अपनाए ही नहीं

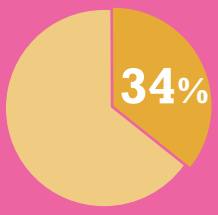

क्लाइंट जिनके पास गर्भनिरोधक विधियों के लिए कोई **अन्य प्रदाता उपलब्ध** नहीं थे

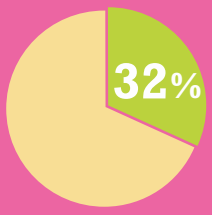

क्लाइंट जो **अत्यधिक गरीबी** में जी रहे हैं

क्लाइंट को 2020 में उपलब्ध कराई गई सेवाएं

27,713
महिलाओं को नसबंदी की सेवा प्रदान की

1,176
महिलाओं को कॉपर टी सेवा प्रदान की

285
महिलाओं को सुरक्षित एबोर्शन सेवा प्रदान की

2020 में हमारे प्रभाव

365,467
कपल इयर्स ऑफ प्रोटेक्शन

15,062
अनचाहे गर्भ रोके

5,449
असुरक्षित एबोर्शन रोके

11
मातृ मृत्य रोकीं

कोविड के समय में भी क्लाइंट का साथ देना

उत्तर प्रदेश की रहने वाली हमारी क्लाइंट, रीना (नाम बदल दिया) पहले से ही तीन बच्चों की माँ थी और अपनी गरीब सामाजिक आर्थिक अवस्था की वजह से समझ चुकी थी की वह एक और बच्चे का पालन–पोषण नहीं कर सकती। इसी दौरान उसे एफआरएचएस इंडिया की सेवाओं के बारे में अपनी बहन से पता चला जिसने हाल ही में एफआरएचएस इंडिया की बरैली में स्थित क्लिनिक से सेवाएं ली थी और काफी संतुष्ट थी। रीना ने जैसे ही एफआरएचएस इंडिया की सेवाओं के बारे में अपने पति से बात की, उन दोनों ने बरैली क्लिनिक पहुंच कर सुरक्षित एबोर्शन सेवा लेने का फैसला लिया। बरैली क्लिनिक पहुंचने के लिए वे अपने स्कूटर से ही 45 किमी के कठिन सफर के लिए निकल पड़े।

रास्ते में, हर कुछ किलोमीटर पर देशबंदी की निगरानी करने वाले पुलिस उन्हे रोकते और पुछताछ करते। रीना की हालत के बारे में जानने के बाद आखिरकार उन्हे आगे बढ़ने की अनुमति मिली और इस प्रकार वे क्लिनिक पहुंचने और सुरक्षित एबोर्शन सेवा प्राप्त करने में सफल रहे। जब रीना से उसके कठिन सफर के बारे में पुछा गया, तो उसने बताया, ''एफआरएचएस इंडिया के कार्यकर्ता पूरे सफर में हमारे साथ जुड़े रहे एवं जितनी बार पुलिस ने हमें रोका उतनी बार उन्होंने उनसे बात भी की, जिसकी वजह से हम आखिरकार क्लिनिक तक पहुंच सके। मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूँ कि मुझे सेवाओं को चुनने का अधिकार मिला। दुर्भाग्यवश ऐसी कई महिलाएं हैं जिन्हे देशबंदी के दौरान ऐसे विकल्प चुनने का मौका नहीं मिला।''

अधिक जानकारी के लिए, संपर्क करें: info@frhsi.org.in | **फोन:** 0522 – 4301448
राज्य कार्यालय: 104, पैरामाउंट अपार्टमेंट, न्यु बेरी रोड, लखनऊ – 226001, उत्तर प्रदेश
मुख्यालय: बी–37, गुलमोहर पार्क, नई दिल्ली – 110049 | **फोन:** +91 11 49840000 | **वेबसाइट:** www.frhsi.org.in
हमें फॉलो करें: @FoundationforReproHealthServicesIndia | Foundation for Reproductive Health Services India